



भारत सरकार - रेल मंत्रालय
अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन
लखनऊ - 226 011
EPBX (0522) 2451200
Fax (0522) 2458500

Government of India-Ministry of Railways
Research Designs & Standards Organisation
Lucknow - 226 011
DID (0522) 2450115
DID (0522) 2465310



प्रेस विज्ञप्ति

परंपरागत विद्युत रेलइंजनों में रिजेनरेटिव ब्रेकन विशेषता के प्रावधान हेतु नवीकरण

डीएलडब्ल्यू में डीजल रेलइंजन का विद्युत रेलइंजन में सफल रूपांतरण के उपरांत, आरडीएसओ अब दूसरी नवीन परियोजना को पूर्ण करने की स्थिति में आ गया है। डब्ल्यूएजी-7 टाइप के एक परंपरागत रेलइंजन में रिजेनरेटिव ब्रेकन विशेषता का प्रावधान किया गया है। आरंभ में यह विशेषता केवल 3-फेज ड्राइव विद्युत रेलइंजनों में उपलब्ध थी। इस उपस्कर को भेल, झांसी द्वारा विकसित किया गया है तथा झांसी में एक डब्ल्यूएजी-7 विद्युत रेलइंजन में इसका प्रावधान किया गया है तथा यह जांच एवं परीक्षणों के अधीन है।

पहले ब्रेक लगाने के दौरान उत्पन्न ऊर्जा बर्बाद हो जाती थी किंतु इस उपस्कर के प्रावधान से अब यह विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित होकर विद्युत ओवर-हैड प्रणाली को प्राप्त होती है, इस प्रकार बहुमूल्य ऊर्जा की बचत होती है। गति को कम करने हेतु रेलगाड़ी में ब्रेक लगाने के दौरान प्रोटोटाइप रेल इंजन 1.5 मेगावाट पॉवर उत्पन्न कर सकता है। प्रचालन के दौरान ऐसे प्रत्येक रेलइंजन से प्रतिवर्ष लगभग रु. 24 लाख की बचत होने की अपेक्षा है। इस प्रोटोटाइप की लागत लगभग रु. 15 करोड है परन्तु बड़ी संख्या में उत्पादन करने पर इसकी लागत कम होने की आशा है। इस उपस्कार का बड़ी संख्या में प्रयोग में लेने का निर्णय प्रोटोटाइप यूनिट के साथ प्राप्त अनुभव के बाद किया जाएगा।

सं. पीआर/प्रेस विज्ञप्ति/2019

दिनांक 22.01.2019

कृपया उपर्युक्त समाचार को फोटो सहित अपने प्रतिष्ठित दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित करने की व्यवस्था करें।

जकीन कु सिन्हा

(एन. के. सिन्हा) 22.1.19

कार्यकारी निदेशक/प्रशासन एवं ईएमएस

सेवा में,
संपादक/



भारत सरकार - रेल मंत्रालय
अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन
लखनऊ - 226 011
EPBX (0522) 2451200
Fax (0522) 2458500

Government of India-Ministry of Railways
Research Designs & Standards Organisation
Lucknow - 226 011
DID (0522) 2450115
DID (0522) 2465310



PRESS RELEASE

INNOVATION FOR PROVISION OF REGENERATIVE BRAKING FEATURE ON CONVENTIONAL ELECTRIC LOCOMOTIVES

After successful conversion of Diesel Locomotive to Electric Locomotive at DLW, RDSO is now near the completion of another innovative project. One number of conventional type electric Locomotive WAG-7 has been provided with regenerative braking feature. This feature was earlier available in the 3-phase drive electric locomotives only. The equipment has been developed by BHEL, Jhansi and provided in one number of WAG-7 electric locomotive at Jhansi and is under tests and trials.

With provision of this equipment, the energy which was earlier getting wasted during braking now gets converted into electric energy and fed back to the electric over-head system, thus saving precious energy. The proto-type locomotive can generate up to 1.5 Mega Watt power during braking of train to reduce speed. Each such locomotive is expected to make a saving of approximately Rs. 24 Lacs per year when in operation. The prototype has cost about Rs. 1.5 crore but cost is expected to reduce when produced in larger numbers. Decision for fleet-wide implementation of this equipment shall be taken after some experience with the proto-type unit.

No. PR/Press Release/2019

Dated: 22.01.2019

Kindly arrange to publish the above news item in your esteemed daily newspaper along with photograph.

22.1.19

(N.K. Sinha)

Executive Dir./Admn & EMS

To
The Editor/